



## Shrenik patodi



Model: Horoscope-Matching

Order No: 121407001

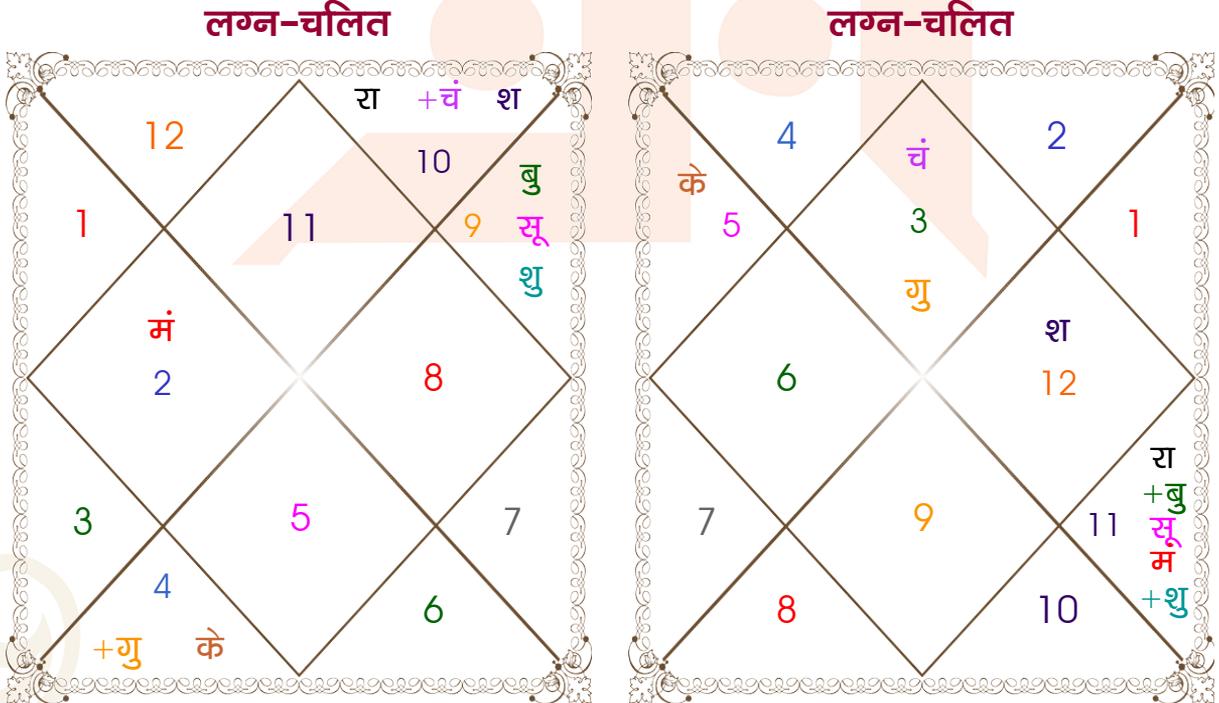
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
21/12/1990 :	जन्म तिथि	: 26/02/2026
शुक्रवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 10:43:00 :	जन्म समय	: 13:31:00 घंटे
घटी 09:11:51 :	जन्म समय(घटी)	: 16:40:48 घटी
India :	देश	: India
Indore :	स्थान	: Delhi
22:42:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:02:15 :	सूर्योदय	: 06:49:44
17:46:31 :	सूर्यास्त	: 18:18:44
23:44:06 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 24:13:28
कुम्भ :	लग्न	: मिथुन
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
मकर :	राशि	: मिथुन
शनि :	राशि-स्वामी	: बुध
श्रवण :	नक्षत्र	: आर्द्रा
चन्द्र :	नक्षत्र स्वामी	: राहु
3 :	चरण	: 1
हर्षण :	योग	: प्रीति
विष्टि :	करण	: तैतिल
खे-खेमचन्द्र :	जन्म नामाक्षर	: कू-कुसुम
धनु :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन
वैश्य :	वर्ण	: शूद्र
जलचर :	वश्य	: मानव
वानर :	योनि	: श्वान
देव :	गण	: मनुष्य
अन्त्य :	नाड़ी	: आद्य
मार्जार :	वर्ग	: मार्जार

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 2वर्ष 10मा 13दि	02:11:50	कुंभ	लग्न	मिथु	12:25:41	राहु 16वर्ष 11मा 8दि
गुरु	05:20:08	धनु	सूर्य	कुंभ	13:30:15	राहु
03/11/2018	19:30:25	मक	चंद्र	मिथु	07:27:04	26/02/2026
03/11/2034	04:52:53	वृष	व मंगल	कुंभ	02:25:08	05/02/2043
गुरु 22/12/2020	12:31:00	धनु	व बुध व	कुंभ	28:20:27	राहु 18/10/2027
शनि 05/07/2023	19:08:26	कर्क	व गुरु व	मिथु	21:07:51	गुरु 13/03/2030
बुध 10/10/2025	17:27:27	धनु	शुक्र	कुंभ	25:39:55	शनि 17/01/2033
केतु 16/09/2026	00:42:00	मक	शनि	मीन	07:11:01	बुध 06/08/2035
शुक्र 17/05/2029	04:27:06	मक	राहु	कुंभ	14:45:17	केतु 24/08/2036
सूर्य 05/03/2030	04:27:06	कर्क	केतु	सिंह	14:45:17	शुक्र 25/08/2039
चन्द्र 05/07/2031	15:21:03	धनु	हर्ष	वृष	03:27:12	सूर्य 18/07/2040
मंगल 10/06/2032	19:58:40	धनु	नेप	मीन	06:43:28	चन्द्र 17/01/2042
राहु 03/11/2034	25:31:21	तुला	प्लूटो	मक	10:14:09	मंगल 05/02/2043

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

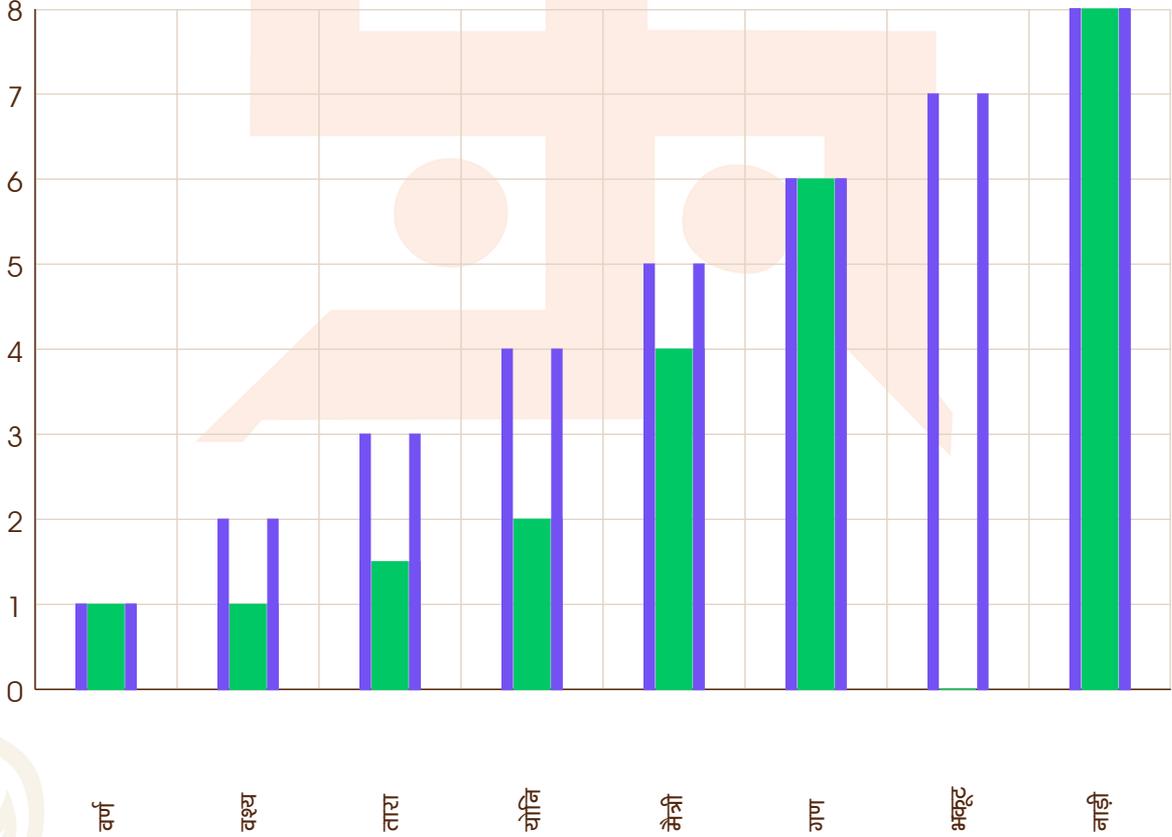
23:44:06 चित्रपक्षीय अयनांश 24:13:28



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>23.50</b>		

कुल : 23.5 / 36



## अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

रौतमदपा चंजवकप का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार रौतमदपा चंजवकप और Ms. का मिलान शुभ है।

### मंगलीक दोष मिलान

रौतमदपा चंजवकप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

रौतमदपा चंजवकप तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक नहीं है।

### निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं है।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

नीतमदपा चंजवकप का वर्ण वैश्य है तथा Ms. का वर्ण शूद्र है। इसमें Ms. का वर्ण नीतमदपा चंजवकप के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Ms. अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Ms. हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

### वश्य

नीतमदपा चंजवकप का वश्य जलचर है एवं Ms. का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Ms. अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि नीतमदपा चंजवकप उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

### तारा

नीतमदपा चंजवकप की तारा मित्र तथा Ms. की तारा विपत है। Ms. की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान नीतमदपा चंजवकप एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Ms. का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठावेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

### योनि

नीतमदपा चंजवकप की योनि वानर है तथा Ms. की योनि श्वान है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में तमदपा चंजवकप का राशि स्वामी Ms. के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि Ms. का राशि स्वामी तमदपा चंजवकप के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

### गण

तमदपा चंजवकप का गण देव तथा Ms. का गण मनुष्य है। अर्थात् दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms. अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

### भकूट

तमदपा चंजवकप से Ms. की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Ms. से तमदपा चंजवकप की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान

नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण ौतमदपा चंजवकप लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Ms. को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

### नाड़ी

ौतमदपा चंजवकप की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है ौतमदपा चंजवकप की अन्त्य नाड़ी तथा Ms. की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

## मेलापक फलित

### स्वभाव

रौतमदपा चंजवकप की जन्म राशि भूमि तत्व युक्त मकर तथा Ms. की राशि वायु तत्व युक्त मिथुन है। भूमि एवं वायु तत्व में नैसर्गिक विषमताओं के कारण रौतमदपा चंजवकप और Ms. के मध्य स्वभावगत असमानताएं होगी तथा संबंध भी विशेष मधुर नहीं रहेंगे। अतः यह मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

रौतमदपा चंजवकप की राशि का स्वामी शनि तथा Ms. की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम एवं मित्र राशियों में स्थित है। अतः सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति अनुकूल रहेगी। इसके प्रभाव से रौतमदपा चंजवकप और Ms. के मध्य प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव होगा तथा एक दूसरे को सुख दुख में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही परस्पर गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे एवं कमियों की उपेक्षा करेंगे। फलतः दाम्पत्य संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

रौतमदपा चंजवकप और Ms. की राशियां परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर संबंधों में तनाव तथा कटुता के भाव की उत्पत्ति होगी। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देने से वैमनस्य एवं विरोध भी बढ़ेगा अतः यदि रौतमदपा चंजवकप और Ms. सामंजस्य की प्रवृत्ति का अनुसरण करें तो इसमें किंचित शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

रौतमदपा चंजवकप का वश्य जलचर तथा Ms. का वश्य मानव है। जलचर तथा मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरुचियों में असमानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता रहेगी। साथ ही काम संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे फलतः वैवाहिक जीवन में कटुता का भाव रहेगा।

रौतमदपा चंजवकप का वर्ण वैश्य तथा Ms. का वर्ण शूद्र है। अतः रौतमदपा चंजवकप की प्रवृत्ति धनार्जन संबंधी कार्यों में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे। परन्तु Ms. परिश्रम तथा ईमानदारी से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी। अतः कार्य क्षेत्र की स्थिति अनुकूल रहेगी।

### धन

रौतमदपा चंजवकप और Ms. दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन

धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

### स्वास्थ्य

रौतमदपा चंजवकप का अन्त्य तथा Ms. का आद्य नाड़ी में जन्म हुआ है अतः दोनों की नाड़ियां भिन्न होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से ये मुक्त रहेंगे जिससे इनका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा ही रहेगा। लेकिन मंगल का Ms. के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से वह रक्त या पित विकार से परेशान होंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट की भी संभावना रहेगी। साथ ही गुप्त रोग एवं काम क्रिया में उदासनीनता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इससे पति पत्नी के आपसी संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता में अल्पता आएगी। अतः मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए Ms. को चाहिए कि वह नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास भी रखें।

### संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से रौतमदपा चंजवकप और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त रौतमदपा चंजवकप और Ms. के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से रौतमदपा चंजवकप और Ms. सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार रौतमदपा चंजवकप और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

### ससुराल-सुश्री

Ms. के अपने सास से संबंध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा

परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही Ms. सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृत्ति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबंधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि Ms. किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबंधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी Ms. को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण Ms. के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे।

### ससुराल-श्री

श्रीतमदपा चंजवकप के अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ श्रीतमदपा चंजवकप के संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृत्ति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबंधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण श्रीतमदपा चंजवकप के प्रति सामान्य ही रहेगा।